ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-06-2026

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-06-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-07-01	2026-07-02	2026-07-03	2026-07-04	2026-07-05
वर्षा (मिमी)	10.0	25.0	25.0	20.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	20.0	20.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	89	91	90	89
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	49	51	50	49
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	3	4	5
पवन दिशा (डिग्री)	73	66	50	360	94
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	4	6	5	6
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों के दौरान जिले में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। 30 जून से 4 जुलाई के बीच जिले के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0–30.0°से. तथा 20.0–21.0°से. के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर-पूर्व दिशा से 2.8–4.7 किमी/घंटा की गति से हवाएँ चलने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता 45–91 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

जिले में 30 जून से 4 जुलाई के दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक (वज्रपात) के साथ आंधी-तूफान तथा 40–50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

गरज-चमक (वज्रपात) के दौरान आवश्यक सुरक्षा सावधानियों का पालन करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि ऐसे मौसम में खुले खेतों में जाने से बचें तथा ऊँचे पेड़ों एवं अन्य ऊँची वस्तुओं से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। तेज़

हवाओं के कारण टमाटर एवं अन्य सब्जी फसलों में पौधों के गिरने (लॉजिंग), तनों के टूटने, फूल एवं फलों के झड़ने तथा यांत्रिक क्षति की संभावना रहती है, जिससे उपज एवं गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि टमाटर एवं अन्य सब्जी फसलों में पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें, ताकि तेज़ हवाओं से पौधों के गिरने से बचाव हो, वायु संचार बेहतर बना रहे तथा फल की उपज एवं गुणवत्ता में सुधार हो सके।

सामान्य सलाहकार:

 मृदा में नमी संरक्षण हेतु पौधों के थालों (बेसिन) में 10–15 सेमी मोटी सूखी घास की मल्च बिछाएँ। वर्तमान मौसम परिस्थितियों को देखते हुए फसलों में नए कीटों एवं रोगों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। पौध संरक्षण संबंधी उपाय एवं कीटनाशकों/फफूंदनाशकों का छिड़काव साफ एवं शुष्क मौसम में करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेत में पानी की निकासी के लिए उचित नालियाँ बनाएँ। जीवन-रक्षक सिंचाई के लिए भविष्य में पानी के इस्तेमाल हेतु वर्षा जल संचयन की उचित संरचनाएँ तैयार करें।

लघु संदेश सलाहकार:

 स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु Meghdoot App का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें, क्योंकि जलभराव से मक्का की नवोदित फसल को गंभीर नुकसान हो सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	• वर्षा की स्थिति में बगीचों में पानी के ठहराव से बचने के लिए सेब के बागों में उचित जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था करें। • आगामी दिनों में बढ़ी हुई सापेक्षिक आर्द्रता (Relative Humidity) के कारण सेब में स्कैब (Scab) तथा अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा (Alternaria Leaf Spot) रोग के विकसित होने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए किसान इन रोगों की नियमित निगरानी करें। • लगातार बादल छाए रहने, वर्षा तथा अधिक सापेक्षिक आर्द्रता के कारण इस अवधि में कीटनाशकों या फफूंदनाशकों का छिड़काव न करें। इसके स्थान पर निचली शाखाओं की छंटाई (Selective Pruning) करें, जिससे बगीचे में वायु संचार बेहतर होगा तथा स्कैब एवं अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के प्रकोप का जोखिम कम होगा।
खुबानी	गिरे हुए फलों को एकत्रित करके कम से कम 45 सेमी गहरे गड्ढे में दबा दें, ताकि कीट एवं रोगों के प्रसार को रोका जा सके।
टमाटर	टमाटर की फसल में पौधों को उचित सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें, जिससे पौधों के गिरने की संभावना कम हो, वायु संचार बेहतर हो तथा फल की उपज एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो। मृदा जनित रोगों के प्रकोप को कम करने हेतु पौधों की निचली पत्तियों को भूमि सतह से 10–15 सेमी ऊँचाई तक हटा दें। खेत में जलभराव से बचाव हेतु उचित निकास (ड्रेनेज) नालियों की व्यवस्था करें।
खीरा	वर्षा के कारण जलभराव, जड़ सड़न, पोषक तत्वों की हानि तथा रोगों का प्रकोप बढ़ने से कुकुर्बिट (लौकीवर्गीय) फसलों की उपज में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। इसलिए किसानों को खेतों में उचित जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था करने की सलाह दी जाती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गरज-चमक एवं बिजली गिरने के दौरान पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें। पशुओं को पर्याप्त स्थान (छायादार शेड) में रखें तथा उन्हें समय-समय पर स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं। गर्मी से राहत देने के लिए पशुओं के शरीर, विशेषकर पैरों और खुरों पर समय-समय पर पानी का छिड़काव करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	□ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। □ पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक मल्च का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

गरज-चमक (वज्रपात) के साथ होने वाले आंधी-तूफान के दौरान सुरक्षा सावधानियों की अनदेखी करने पर मनुष्यों एवं पशुधन के लिए जान-माल की हानि तथा मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए ऐसे मौसम में सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों एवं आम नागरिकों को सलाह दी जाती है कि गरज-चमक (वज्रपात) के दौरान खुले खेतों में कार्य करने से बचें। गरज-चमक के समय अकेले खड़े पेड़ों, विद्युत खंभों अथवा धातु की बाड़ (Metal Fence) के पास शरण न लें, क्योंकि इन स्थानों पर वज्रपात का खतरा अधिक होता है।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details